

पैन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र



वर्ष - 1 अंक - 91

शनिवार, अक्टूबर 17, 2026

विशाखापट्टनम संपादक: गंट्यादा अप्पाराव

पृष्ठों. 4मूल्य. 1₹

पुंगनूर में वाईएसआरसीपी के हमलों की एसईसी से शिकायत

सांसद मिथुन रेड्डी ने किया चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन: वरला रामय्या



(पैन पॉवर न्यूज): अमरावती, 16 अक्टूबर: टीडीपी एमएलसी वरला रामय्या ने कहा कि पुंगनूर में वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कथित हमलों से संबंधित सभी साक्ष्य राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) को सौंप दिए गए हैं।

शुक्रवार को उन्होंने टीडीपी नेता परचुरि अशोक बाबू के साथ राज्य निर्वाचन आयोग अनिल चंद्र पुनेठा से एसईसी कार्यालय में मुलाकात की। बैठक के बाद कार्यालय के बाहर पत्रकारों से बातचीत

करते हुए वरला रामय्या ने सवाल उठाया कि वाईएसआरसीपी सांसद मिथुन रेड्डी इतने बड़े काफिले के साथ कैसे जा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नामांकन दाखिल करने जा रहे उम्मीदवारों के साथ 32 गाड़ियों के काफिले में पहुंचकर सांसद मिथुन रेड्डी ने चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया है। उन्होंने बताया कि चुनाव नियमों के अनुसार नामांकन केंद्र में केवल दो वाहनों और उम्मीदवार सहित पांच व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति होती है। रामय्या ने आरोप लगाया कि नामांकन केंद्र के पास वाईएसआरसीपी समर्थकों ने टीडीपी कार्यकर्ताओं पर लाठियों से हमला किया और उनके वाहनों के शीशे तोड़ दिए। उन्होंने वाईएसआरसीपी नेताओं पर पुंगनूर में अशांति फैलाने के लिए तमिलनाडु के तिरुत्तणी और पडोसी राज्य कर्नाटक से आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को बुलाने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि इन साक्ष्य राज्य निर्वाचन आयोग अनिल चंद्र पुनेठा को सौंपकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है। वरला रामय्या ने वाईएसआरसीपी नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वे हिंसा, दबंगई और गुंडागर्दी के बल पर चुनाव जीतने की कोशिश करेंगे, तो राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग मूकदर्शक नहीं बने रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों को दोहराया गया तो सरकार और कानून प्रवर्तन एजेंसियां सख्त कार्रवाई करेंगी।

नामांकन के दौरान वाईएसआरसीपी की कथित हिंसा पर मंत्री टीजी भरत ने जताई नाराजगी

(पैन पॉवर न्यूज):

कुरनूल, 16 अक्टूबर: आंध्र प्रदेश के मंत्री टीजी भरत ने नगरपालिका चुनावों की नामांकन प्रक्रिया के दौरान पुंगनूर, रायचोटी और तिरुपति में टीडीपी नेताओं पर वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कथित हमलों की कड़ी निंदा की। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने आरोप लगाया कि नामांकन प्रक्रिया के दौरान वाईएसआरसीपी नेता गुंडागर्दी और हिंसा का सहारा ले रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सत्ता से बाहर होने के बावजूद वाईएसआरसीपी नेताओं के रवैये में कोई बदलाव नहीं आया है और वे अब भी पहले की तरह दबंगई और दमकाने की राजनीति कर रहे हैं। मंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्व में सत्ता में रहते हुए भी वाईएसआरसीपी नेताओं ने नामांकन के दौरान टीडीपी कार्यकर्ताओं को परेशान किया था। उन्होंने कहा कि भड़काऊ बयान देना और विवाद पैदा करना वाईएसआरसीपी नेताओं की राजनीतिक कार्यशैली बन गई है। मंत्री टीजी भरत ने चुनाव आयोग से वाईएसआरसीपी नेताओं के व्यवहार को गंभीरता से लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए चुनाव आयोग को पर्याप्त पुलिस सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनावों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि जनता ने टीडीपी के



नेतृत्व वाले गठबंधन को भारी समर्थन दिया था। उन्होंने दावा किया कि गठबंधन सरकार द्वारा लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों से जनता संतुष्ट है। मंत्री ने आरोप लगाया कि यदि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होते हैं, तो अपनी हार निश्चित होने के डर से वाईएसआरसीपी नेता जानबूझकर बाधाएं उत्पन्न कर रहे हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे वाईएसआरसीपी नेताओं के आचरण पर ध्यान दें और अपने मताधिकार का सही उपयोग करें। मंत्री टीजी भरत ने सभी राजनीतिक दलों और नागरिकों से लोकतांत्रिक तरीके से शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने में सहयोग करने का आग्रह किया।

पुंगनूर को श्मशान बनाने की साजिश रच रहा पेद्दीरेड्डी परिवार: विधायक अमरनाथ रेड्डी

(पैन पॉवर न्यूज):

अमरावती, 16 अक्टूबर: टीडीपी विधायक अमरनाथ रेड्डी ने पेद्दीरेड्डी परिवार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह पुंगनूर विधानसभा क्षेत्र को श्मशान में बदलने की साजिश रच रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व में जब टीडीपी सत्ता में थी, तब पुंगनूर में इस तरह की हिंसक झड़पें और विवाद कभी नहीं हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में रहते हुए हिंसा की राजनीति करने वाला पेद्दीरेड्डी परिवार अब विपक्ष में होने के बावजूद उसी रास्ते पर चल रहा है। अमरनाथ रेड्डी ने कहा कि पिछले चुनावों के दौरान भी पेद्दीरेड्डी परिवार ने हिंसक राजनीति का सहारा लिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2005 की तरह अब भी बाहर से लोगों को बुलाकर पुंगनूर में अशांति और हिंसा फैलाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि अतीत में लगभग 700 लोगों के खिलाफ कथित तौर पर झूठे मामले दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया और उनकी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। इसके बावजूद टीडीपी कार्यकर्ता भयभीत नहीं हुए।

अमरनाथ रेड्डी ने पेद्दीरेड्डी परिवार की आलोचना करते हुए कहा कि उसे लोकतांत्रिक मूल्यों की कोई समझ नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह परिवार आज भी राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए हिंसा का माहौल पैदा करने की साजिश रच रहा है। उन्होंने जनता से ऐसी अराजक ताकतों का डटकर मुकाबला करने की अपील की।

विपक्ष पर बरसे राजनाथ सिंह, कहा- बांग्लादेश की तर्ज पर बदलाव चाहती है कांग्रेस, युवाओं को बना रही है मोहरा

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने सत्ता परिवर्तन के दावे को लेकर विपक्ष और इंडिया ब्लॉक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष अराजकता से सत्ता हासिल करना चाहती है। युवाओं को अराजक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ये सत्ता परिवर्तन की बात कर रहे हैं।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा राजनीतिक हितों के लिए भारत को संवैधानिक संस्थाओं की बलि नहीं दी जा सकती। इस बात को समझने की जरूरत है। झूठ आक्रोश दिखाकर, संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश करके और राजनीतिक अवसरवाद के जरिए भारत की विकास यात्रा को प्रभावित नहीं किया जा सकता। राहुल गांधी को बाधा डलने वाली राजनीति करने के बजाय, जन-जनादेश का सम्मान करना चाहिए और अपनी राजनीतिक भूमिका पर आत्म-चिंतन करना चाहिए।



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा देश के युवाओं को अराजकता की राजनीति में मोहरे की तरह इस्तेमाल करने की कोशिशें हो रही हैं। कुछ लोग बांग्लादेश की घटनाओं की तर्ज पर सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। खुलेआम स्वीकार करते हैं कि उन्हें बांग्लादेश के हालात से प्रेरणा मिली है; वहीं कुछ अन्य लोग बेशर्मी से सरकार को गिराने की मांग कर रहे हैं। इससे यह साफ हो जाता है कि उनका एकमात्र एजेंडा लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करना। देश में आग लगाना है। उनकी लड़ाई चुनावी सुधार के लिए नहीं है, न ही यह एसआईआर या ज्ञानेश कुमार से जुड़ी है। यह देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी नहीं है बल्कि, यह देश में अराजकता फैलाकर सत्ता हथियाने की एक साजिश है।

वाईएसआरसीपी की नीतियों से आंध्र प्रदेश को भारी नुकसान: विधायक कोटमरेड्डी

(पैन पॉवर न्यूज):

नेल्लोर, 16 अक्टूबर: नेल्लोर ग्रामीण क्षेत्र के विधायक कोटमरेड्डी श्रीधर रेड्डी ने वाईएसआरसीपी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की सरकार की नीतियों के कारण आंध्र प्रदेश दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया था। उन्होंने कहा कि इसी वजह से जनता ने गठबंधन सरकार को सत्ता में लाया। उन्होंने बताया कि वर्तमान गठबंधन सरकार के कार्यकाल में राज्यभर में विकास और कल्याणकारी कार्यक्रम व्यापक स्तर पर चलाए जा रहे हैं।

कोटमरेड्डी ने आरोप लगाया कि जगन मोहन रेड्डी राज्य में कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने स्थानीय निकाय चुनावों को दो वर्षों तक स्थगित रखा था और अब भी चुनाव प्रक्रिया में बाधाएं उत्पन्न करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि नामांकन प्रक्रिया के पहले ही दिन पुंगनूर, रायचोटी और तिरुपति में वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं ने हिंसा और गुंडागर्दी की।

सांसद मिथुन रेड्डी की टिप्पणियों को बेहद आपत्तिजनक बताते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति में इस तरह का आक्रामक रवैया उचित नहीं है। उन्होंने वाईएसआरसीपी नेताओं को जनता के बीच जाकर चुनाव का सामना करने की चुनौती देते हुए कहा कि चुनावी मैदान में ही पता चल जाएगा कि किसकी कितनी ताकत है। टीडीपी कार्यकर्ता डरें नहीं, मैं उनके साथ खड़ा हूँ। कोटमरेड्डी श्रीधर रेड्डी ने आरोप लगाया कि नेल्लोर में वाईएसआरसीपी नेताओं ने

आईटीडीपी से जुड़े कार्यकर्ताओं को धमकाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि वाईएसआरसीपी नेता अब भी खुद को सत्ता में होने के भ्रम में रखकर व्यवहार करेंगे, तो जनता उन्हें उचित सबक सिखाएगी। उन्होंने पुलिस से अपील की कि स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष रूप से कार्य किया जाए और हिंसा तथा दबंगई करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। गठबंधन की चुनावी संभावनाओं पर विश्वास जताते हुए कोटमरेड्डी ने दावा

किया कि नेल्लोर नगर निगम चुनाव में टीडीपी के नेतृत्व वाले गठबंधन का मेयर उम्मीदवार एक लाख वोटों के बहुमत से जीत हासिल करेगा। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि नगर निगम के सभी 72 डिवीजनों में गठबंधन के उम्मीदवार विजयी होंगे। विधायक ने कहा कि नेल्लोर में इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ, इतना विकास हो रहा है और आने वाले दिनों में कई अन्य विकास परियोजनाएं भी शुरू की जाएंगी। उन्होंने नेल्लोर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के टीडीपी कार्यकर्ताओं को



भरोसा दिलाया कि यदि वाईएसआरसीपी समर्थक किसी प्रकार की धमकी या गुंडागर्दी करते हैं, तो उन्हें डरने की जरूरत नहीं है। कोटमरेड्डी श्रीधर रेड्डी ने आश्वासन दिया कि वह हर परिस्थिति में टीडीपी कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे।

21 अक्टूबर को आएगा जियो आईपीओ...

जियो का मिशन हाई क्वालिटी सर्विस प्रोवाइड कराना : आकाश अंबानी

ईशा अंबानी ने बताई 16 साल पुरानी कहानी

विनय उजाला

नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने देश में इंटरनेट के इस्तेमाल को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई है। अब कंपनी के मिशन और कारोबारी सफर को लेकर आकाश अंबानी और ईशा अंबानी ने अहम बातें साझा की हैं।

भारत में सस्ता इंटरनेट और तेज डिजिटल कनेक्टिविटी आज करोड़ों लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। इस बदलाव में रिलायंस जियो की अहम भूमिका रही है। अब कंपनी के आईपीओ (IPO) की तैयारियों के बीच जियो प्लेटफॉर्म के वरिष्ठ अधिकारियों ने कंपनी की शुरुआत, मिशन और कारोबारी प्रदर्शन से जुड़ी अहम बातें शेयर की हैं। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर आकाश अंबानी ने बताया कि जियो का लक्ष्य हर

भारतीय तक बेहतर और किफायती डिजिटल सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी का EBITDA बढ़कर 76,000 करोड़ रुपये हो गया है। जियो प्लेटफॉर्मस IPO प्रेस कॉन्फ्रेंस में आकाश अंबानी ने बताया कि जियो का मिशन देश के हर घर और हर नागरिक को हाई क्वालिटी वाली और किफायती डिजिटल सेवाओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि कंपनी प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और विकसित भारत 2047 के विजन को आगे बढ़ाने में भागीदार बनना चाहती है। आकाश ने आगे बताया कि जियो ने पिछले तीन वर्षों में 17.8% की EBITDA ग्रोथ दर्ज की है। उनके अनुसार, कंपनी की इस वृद्धि का आधार भारत की डिजिटल ग्रोथ



में उसका योगदान रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जियो के पास चीन के बाहर दुनिया का सबसे बड़ा 5जी यूजर बेस है। कंपनी ने करीब तीन साल पहले 5जी सेवाओं का विस्तार शुरू किया था।

जियो के 7200 से ज्यादा पेटेंट

आकाश अंबानी ने बताया कि

कंपनी ने 7,220 से ज्यादा पेटेंट दाखिल किए हैं। कंपनी का दावा है कि पेटेंट दाखिल करने के मामले में वह दुनिया की शीर्ष 20 कंपनियों में शामिल एकमात्र भारतीय कंपनी है। आकाश अंबानी के मुताबिक, जियो के 12,000 से ज्यादा इंजीनियर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

ऐसे आया जियो का विचार : ईशा

प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईशा अंबानी ने जियो की शुरुआत से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि 2009-10 के आसपास वह और आकाश अमेरिका में कॉलेज की पढ़ाई कर रहे थे। छुट्टियों में मुंबई आने पर उन्हें एक ऑनलाइन असाइनमेंट जमा करना था, लेकिन इंटरनेट काम नहीं कर रहा था और वह अपना असाइनमेंट जमा नहीं कर सकीं। ईशा के मुताबिक, इसी अनुभव से यह सवाल उठा कि भारत में वैसी कनेक्टिविटी क्यों नहीं हो सकती, जैसी पश्चिमी देशों में उपलब्ध थी। आकाश का मानना था कि इसका समाधान एक डिजिटल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म कंपनी बनाकर निकाला जा सकता है। इसके बाद 2016 में जियो की शुरुआत हुई।

19 महीने में 99 फीसदी आबादी तक पहुंचा नेटवर्क



आकाश अंबानी ने कहा कि जियो ने महज 19 महीनों में भारत की 99% आबादी तक अपनी सेवाएं पहुंचा दी थीं। कंपनी के नेटवर्क, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्पेक्ट्रम को भविष्य की ग्रोथ का अहम आधार बताया। आकाश अंबानी के अनुसार, अगले पांच वर्षों में जियो के पास करीब 31.4 करोड़ नए मोबाइल ग्राहकों को जोड़ने का अवसर है। इनमें लगभग 10 करोड़ लोग पहली बार सिम कार्ड ले सकते हैं, जबकि करीब 24 करोड़ 2जी यूजर 4जी और 5जी नेटवर्क पर आ सकते हैं।

लंबे समय की योजना पर काम करती है रिलायंस

ईशा अंबानी ने कहा कि रिलायंस कारोबार को केवल आज या कल के लिए नहीं, बल्कि आने वाले दशकों को ध्यान में रखकर बनाती है।

उन्होंने बताया कि कंपनी की वित्तीय रणनीति के दो प्रमुख लक्ष्य मजकूत बेलेंस शीट बनाए रखना और लगातार नकदी पैदा करना है। इस रणनीति के तहत कंपनी निवेश, विस्तार और कमाई के बाद फिर से कारोबार में निवेश करने पर जोर देती है। जियो के प्रस्तावित आईपीओ के बीच कंपनी का यह बयान उसके कारोबार और भविष्य की योजनाओं को समझने के लिए अहम है।

उदय कोटक ने बताया ऐतिहासिक

जियो आईपीओ को लेकर कोटक महिंद्रा बैंक के उदय कोटक ने संबोधन की शुरुआत की और रिलायंस की शुरुआत के पलों का जिक्र किया। उन्होंने जियो के बारे में कहा कि इसने भारत में मोबाइल कनेक्टिविटी को बदल दिया। आज जियो करोड़ों लोगों के दिलों में बसता है। उदय कोटक ने कहा कि जियो का आईपीओ आना एक ऐतिहासिक पल है। उन्होंने कहा कि ये देश का सबसे बड़ा आईपीओ है।



संपादकीय

क्या ‘एसआईआर‘ जांच में मुस्लिम मतदाताओं को बनाया जा रहा निशाना?

दिल्ली में मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में इस्तेमाल की गई ‘तार्किक विसंगति’ (लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी) की श्रेणी को लेकर अब गंभीर बहस छिड़ गई है। एक प्रमुख अंग्रेजी अखबार द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, सत्यापन के लिए मुस्लिम मतदाताओं को अनुपात से अधिक संख्या में चुने जाने की बात सामने आई है। गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं कि यह प्रक्रिया केवल कुछ मतदाताओं के नाम सूची से हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे जानबूझकर मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। 2011 की जनगणना के अनुसार, दिल्ली की आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी 13.6 प्रतिशत थी, जबकि तार्किक विसंगति की श्रेणी में चिह्नित मतदाताओं में मुस्लिम मतदाताओं की हिस्सेदारी 20.3 प्रतिशत पाई गई। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में मतदाताओं के व्यक्तिगत विवरण, पते, पारिवारिक संबंधों और पुरानी मतदाता सूचियों से संबंधिात जानकारीयों का मिलान किया जाता है। वहीं, तार्किक विसंगति की प्रक्रिया के तहत मतदाता रिकॉर्ड में दर्ज कुछ जानकारीयों के सॉफ्टवेयर द्वारा निर्धारित मानकों से मेल नहीं खाने पर उन्हें चिह्नित किया जाता है।

रिपोर्ट के अनुमान के अनुसार, प्रत्येक एक हजार मुस्लिम मतदाताओं में 318 को चिह्नित किया गया, जबकि गैर–मुस्लिम मतदाताओं में प्रत्येक एक हजार में 197 लोगों को चिह्नित किया गया। किसी मतदाता को चिह्नित किए जाने का अर्थ यह नहीं है कि वह मतदान के लिए अयोग्य है या उसका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। इसका अर्थ केवल इतना है कि उसके विवरण की अतिरिक्त जांच आवश्यक है। इन आंकड़ों के आधार पर अनुमान लगाया गया कि गैर–मुस्लिम मतदाताओं की तुलना में मुस्लिम मतदाताओं को लगभग 60 प्रतिशत अधिक दर से चिह्नित किया गया। एसआईआर प्रक्रिया में परिवार के सदस्यों की संख्या से संबंधित विसंगतियों की पहचान करने का तरीका भी एकतरफा दिखाई देता है। रिपोर्ट के अनुसार, परिवार के आकार या बच्चों की उम्र से जुड़े पांच कारणों के आधार पर चिह्नित किए गए लगभग 6.75 लाख मतदाताओं में करीब 30 प्रतिशत मुस्लिम थे। यह आंकड़ा रिपोर्ट में उल्लिखित मुस्लिम आबादी की 13.6 प्रतिशत हिस्सेदारी की तुलना में काफी अधिक है। इन मानकों का मतदाता की पात्रता से कोई सीधा संबंध नहीं है। किसी व्यक्ति को मतदाता बनने के लिए भारतीय नागरिक होना चाहिए, उसकी आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए और उसे संबंधित निर्वाचन क्षेत्र का सामान्य निवासी होना चाहिए। 1998 के लाल बाबू हुसैन मामले के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति का नाम पहले प्रकाशित मतदाता सूची में दर्ज है, तो उसे भारतीय नागरिकता के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसे व्यक्ति का नाम उचित जांच किए बिना मतदाता सूची से नहीं हटाया जाना चाहिए। किसी मतदाता के कितने बच्चे हैं, उसके माता–पिता की उम्र कितनी है या नामों की वर्तनी में अंतर है या नहीं?कुइन सवालों का मतदाता की पात्रता से कोई सीधा संबंध नहीं है। विशेष रूप से ध्यान देने वाली बात यह है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार किए गए 2023 के मतदाता सूची संबंधी दिशा–निर्देशों और 2002दु03 में आयोजित विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में भी ऐसे पहलुओं की जांच करने का कोई प्रावधान नहीं था। विहार में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के समय मतदाता पंजीकरण, दावों और आपत्तियों को स्वीकार करने के विभिन्न चरणों में कुछ खामियां सामने आई थीं। हालांकि, धर्म के आधार पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष भेदभाव किए जाने के स्पष्ट प्रमाण नहीं मिले थे। अखबार के अनुसार, बिहार में एसआईआर से पहले की मतदाता सूची से हटाए गए लोगों में लगभग 18.4 प्रतिशत मुस्लिम थे। यह आंकड़ा 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार की आबादी में मुसलमानों की 17.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के करीब था। इस प्रक्रिया में उन मतदाताओं को भी जांच के लिए चिह्नित किया गया, जिनके नाम पहले से ही मसौदा मतदाता सूची में मौजूद थे। इसके लिए ऐसे मानकों का इस्तेमाल किया गया, जिनकी स्पष्ट व्याख्या नहीं की गई थी। यानी इन मतदाताओं के रिकॉर्ड पर ‘अतिरिक्त सत्यापन आवश्यक’ होने का संकेत लगा दिया गया। यह चिह्नांकन निर्वाचन आयोग के ‘ईसीआईनेट’ (रेकडम) सॉफ्टवेयर के माध् यम से किया गया। कानून के अनुसार मतदाता पंजीकरण की जिम्मेदारी निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) की होती है। लेकिन इस जांच के लिए किन मतदाताओं का चयन किया जाना चाहिए, इसका निर्णय कथित तौर पर इन अधिकारियों ने नहीं किया। इससे यह सवाल उठता है कि उन्होंने अपनी वैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन किस हद तक सही ढंग से किया। बिहार और पश्चिम बंगाल में पहले से मतदाता सूचियों में दर्ज लोगों को अस्पष्ट मानकों के आधार पर सॉफ्टवेयर के माध्यम से संदिग्ध चिह्नित किए जाने के परिणामस्वरूप लगभग 27 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने की बात सामने आई है। इनमें से 22 लाख लोगों ने अपील की, लेकिन मतदान की समय–सीमा समाप्त होने तक केवल 1,607 मतदाताओं के नाम ही कथित तौर पर दोबारा मतदाता सूचियों में शामिल किए गए। सितंबर तक निपटाई गई 1.26 लाख अपीलों में लगभग 93 प्रतिशत मामलों में संबंधित मतदाताओं के नाम फिर से मतदाता सूचियों में शामिल किए गए। इन आंकड़ों से संकेत मिलता है कि चुनावों से पहले बड़ी संख्या में मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित रह गए। रिपोर्ट के अनुसार, प्रभावित मतदाताओं में मुसलमानों का अनुपात भी अधिक दिखाई देता है। अब इसी प्रक्रिया को एसआईआर के तीसरे चरण तक विस्तारित किया गया है, जिसमें दिल्ली भी शामिल है। दिल्ली में भी मुस्लिम मतदाताओं के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। चुनावी कानून में स्पष्ट आधार के बिना कथित रूप से मनमाने मानकों के जरिए चलाई जा रही इस एसआईआर प्रक्रिया के कारण कुछ समुदायों के साथ भेदभाव होने की आशंका को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी कथित तौर पर दिल्ली की एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कई सवाल उठाए हैं। अदालत ने पूछा कि क्या अतिरिक्त सत्यापन वास्तव में आवश्यक है। साथ ही यह स्पष्ट करने को कहा कि ‘तार्किक विसंगति’ का वास्तविक अर्थ क्या है और ऐसी विसंगतियों को दूर करने के लिए मतदाताओं को कौन–कौन से दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

एनजीओ होम कर्मचारियों के लिए मंदिर समान

75 वर्षों से कर्मचारियों की सेवा में आंध्र प्रदेश एनजीओ संघ

कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान में समझौते का कोई सवाल ही नहीं

अनकापल्ली में नवनिर्मित भवन के उद्घाटन समारोह में एपीएनजीजीओ संघ के प्रदेश अध्यक्ष अलपर्ति विद्यसागर



अनकापल्ली, 16 अक्टूबर: आंध्र प्रदेश एनजीओ संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री अलपर्ति विद्यसागर ने कहा कि राज्यभर में स्थित एनजीओ होम कर्मचारियों के लिए मंदिर समान हैं। पिछले 75 वर्षों से आंध्र प्रदेश एनजीओ संघ कर्मचारियों के कल्याण के लिए उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने अनकापल्ली जिले में नवनिर्मित एनजीओ होम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एनजीओ होम केवल कर्मचारी संघों के भवन नहीं हैं, बल्कि कर्मचारी आंदोलनों, बैठकों और समस्याओं के समाधान के प्रमुख केंद्र भी हैं। इन भवनों के माध्यम से कर्मचारियों के साथ–साथ राजपत्रित अधिकारियों, पेंशनभोगियों, संविदा कर्मचारियों और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को भी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि आर्थिक रूप से कमजोर संविदा एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को यथासंभव नि:शुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही, भवनों के प्रबंधन में नेतृत्व को अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने बताया कि उनके नेतृत्व में राज्यभर में एनजीओ संघ में युवाओं को 30 प्रतिशत अवसर प्रदान किए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप संघ में युवा पीढ़ी बड़े पैमाने पर सक्रिय होकर काम कर रही है।



उन्होंने बहुत कम समय में जिला और नगर शाखाओं के लिए भवन तैयार कर उद्घाटन के लिए तैयार करने पर अनकापल्ली जिला कार्यकारिणी की विशेष रूप से सराहना की। विद्यासागर ने आमानगंटी श्रीरामुलु और सुधाकर प्रसाद जैसे महान नेताओं सहित जिला एवं तालुका स्तर के अनेक नेताओं के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने राज्यभर में एनजीओ संघ को मजबूत करने, भवनों का निर्माण कराने और कर्मचारियों की सेवा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने प्रेरणा लेकर एनजीओ होम की सुरक्षा करने और उन्हें कर्मचारियों की सेवा के लिए समर्पित रखने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के मामले में एनजीओ

संघ कभी समझौता नहीं करेगा। कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, संविदा एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए राज्य नेतृत्व लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि पहले ही कई समस्याओं का समाधान किया जा चुका है और शेष मांगों को पूरा कराने के लिए भी संघर्ष जारी रहेगा। **कर्मचारियों की चिकित्सा सेवाओं और पेंशनभोगियों की समस्याओं पर विशेष ध्यान** राज्य संघ के महासचिव श्री डी.वी. रमण ने कहा कि कर्मचारियों के स्वास्थ्य कार्ड और चिकित्सा सेवाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रगति हुई है तथा सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए

संघ लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि पेंशनभोगियों को अतिरिक्त पेंशन (ककपजपवर्दंस फनंदजनउ वी च्मदेपवद) दिलाने के मामले में भी एनजीओ संघ ने प्रयास करके सफलता हासिल की है। बड़ी संख्या में पेंशनभोगियों के बैठक में शामिल होकर राज्य नेतृत्व की सराहना करने और उन्हें आशीर्वाद देने पर उन्होंने खुशी व्यक्त की। **नवनिर्मित भवन का भव्य उद्घाटन** अनकापल्ली जिला अध्यक्ष श्री रविकुमार के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे राज्य अध्यक्ष श्री अलपर्ति विद्यसागर और महासचिव श्री डी.वी. रमण का कर्मचारियों ने भव्य स्वागत किया। इसके बाद कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में बाइक रैली निकाली और एनजीओ होम पहुंचे। कर्मचारियों की भारी उपस्थिति,



बाइक रैली, आतिशबाजी और महिलाओं के नृत्य से एनजीओ होम परिसर में उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया। राज्य के नेताओं ने नवनिर्मित भवन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया और शिलालेखों का अनावरण किया। इसके साथ ही अनकापल्ली जिला एनजीओ संघ की ओर से संचालित किए जा रहे यूट्यूब चैनल का भी शुभारंभ किया गया। इसके बाद एस.आर. शंकरन्ना सभागार में जिला अध्यक्ष श्री रविकुमार की अध्यक्षता में कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। इसमें राज्य एवं जिला स्तर के नेताओं, विभिन्न जिलों के अध्यक्षों और महासचिवों तथा जेएसी के राज्य नेताओं ने भाग लिया। **कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान में राज्य नेतृत्व की सराहना** पिछले एक वर्ष के दौरान

युवा नेताओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अनकापल्ली जिला महिला विभाग की राज्य अध्यक्ष श्री अलपर्ति विद्यसागर ने विशेष रूप से सराहना की और उन्हें सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में राज्य एनजीओ संघ के नेता श्री भारती प्रसाद, श्री सुब्बारेड्डी, श्री राजू, श्री वेणुगोपाल, श्री भोम जय, डीजियनगरम जिला अध्यक्ष श्री सुरेश आनंद बाबू, पार्वतीपुरम जिला अध्यक्ष श्री किशोर, पूर्वी गोदावरी जिला अध्यक्ष श्री माध्ावराव, सीपीएस कर्मचारी संघ के राज्य अध्यक्ष श्री कोरुकोंडा सतीश, अनकापल्ली जिला सचिव श्री शेणु कुमार, एनजीओ महिला विभाग की राज्य अध् यक्ष श्रीमती निर्मला कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हर ओर हिंसा की गंज

उन्होंने लड़कियों को पीटा, युवकों को पीटा, बच्चों को पीटा। नारे लगाने वालों को, सड़कों पर पैदल चलने वालों को, अस्पताल और दफ्तर जाने वालों को तथा कानून की रक्षा करने वाले वकीलों को भी पीटा। किसानों और विश्वविद्यालयों में पढ़ाने वाले प्रोफेसरों को भी नहीं बख्शा गया। विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं पर हमले किए गए। लाखों लोगों का प्रतिनिधिात्व करने वाले कई विधायकों और सांसदों तक को पीटा गया। लोगों को रोकना, घसीटना, जमीन पर पटकना, चार–पांच लोगों का मिलकर बाल पकड़कर खींचना, पुलिस की गाड़ियों में जबरन ठूसना, कपड़े फाड़ना और खून निकलने तक बेरहमी से पीटनाकृऐसी घटनाएं पिछले कुछ दिनों से दिल्ली की सड़कों पर होने की खबरें सामने आ रही हैं। आखिरकार सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर विशेष रूप से बनाए गए हिरासत केंद्रों में ले जाया गया। अनेक लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। यहां तक कि अपना पेशेवर कर्तव्य निभाते हुए घटनाओं की रिपोर्टिंग करने पहुंचे पत्रकारों को भी कथित तौर पर बेरहमी से पीटा गया और गिरफ्तार

किया गया। प्रेस की स्वतंत्रता का मजाक उड़ाया जा रहा है और मीडिया के पंख काटे जा रहे हैं। दिल्ली में हो रही ऐसी घटनाओं को देश की जनता स्तब्ध होकर देख रही है। कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं बार–बार किराने वाले पीड़ितों को भीतर में लोकतंत्र खतरे में है। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रद्द करने की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शनों की रिपोर्टिंग करने पहुंचे कम से कम 37 पत्रकारों को 10 और 11 अक्टूबर को पुलिस ने कथित तौर पर हिरासत में लिया। इनमें महिला पत्रकार भी शामिल थीं। कुछ पत्रकारों को बुरी तरह पीटा गया। उनके मोबाइल फोन और कैमरे छीन लिए गए। रिकॉर्ड किए गए वीडियो फुटेज को डिलीट करने के लिए दबाव डाला गया। पत्रकारों को जबरन सड़कों पर घसीटकर ले जाया गया। न्यूजलॉन्ड, स्कॉल, बिजनेस स्टैंडर्ड, पीक न्यूज, द हिंदू इंडियन एक्सप्रेस, नवभारत और यहां तक कि बीबीसी के पत्रकार भी कथित हिरासत का सामना करने वालों में शामिल थे।

हिरासत में लिए गए पत्रकारों में न्यूजलॉन्ड के अश्विने कुमार सिंह, आरस्था सव्यसाची, अनमोल प्रीतम और स्कॉल के आयुष तिवारी सहित अन्य पत्रकार शामिल थे। पुलिस के लिए भी नियम–कानून होते हैं। ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों को निर्धारित वर्दी पहनना संबंधी बैज पहनना अनिवार्य है। यदि कोई पुलिसकर्मी अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करता है या अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई करता है, तो पीड़ितों को उसके खिलाफ शिकायत करने का अधिाकार है। लेकिन अब सबसे अधिक चिंता पैदा करने वाली बात यह है कि बिना नेमप्लेट के खाकी वर्दी पहने कुछ लोग खुद को पुलिसकर्मी बता रहे हैं। वे बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियों में प्रदर्शनकारियों को पीटते हुए ले जा रहे हैं। इनमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। **आखिर क्या ये वास्तव में पुलिसकर्मी हैं?** दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शनकारियों और पत्रकारों ने नई खाकी वर्दियों तथा लाठियों से भरी गाड़ियां पुलिस अधिकारियों को दिखाई, फिर भी उन्होंने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की?

दूसरी ओर, कुछ लोग खुलेआम यह कहते हुए समूहों में सड़कों पर घूम रहे हैं कि वे हिंदू सेना, आरएसएस और बजरंग दल से जुड़े हैं। वे दावा कर रहे हैं कि हिंदू धर्म और धार्मिक परंपराओं की रक्षा के लिए आए हैं और दिल्ली पुलिस के साथ खड़े रहेंगे। इन लोगों पर प्रदर्शनकारियों पर हमले करने तथा लड़कियों और महिला पत्रकारों का यौन उत्पीड़न करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के साथ घूमते हुए प्रदर्शनकारियों को हमला करने वाले ये लोग कौन हैं? इन्हें किसने भेजा? ये कहां से आए? पुलिस की आंखों के सामने ऐसी घटनाएं होने के बावजूद उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? महिलाओं के साथ अमर्र व्यवहार करने वाले कुछ लोगों को जनता के दबाव में गिरफ्तार किए जाने के बावजूद कथित तौर पर तुरंत मुहलाए दोनों शामिल हैं। **ऐसे सवाल पूरे देश में लोगों के मन में उठ रहे हैं।** नीट प्रश्नपत्र लीक और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर–मंतर पर हुए प्रदर्शनों के दौरान भी सादे कपड़ों में लाठियां लेकर आए कुछ लोगों

द्वारा प्रदर्शनकारियों पर हमले किए जाने के आरोप सामने आए थे। शुरुआत में पुलिस ने बताया था कि ये लोग ‘स्पॉटर्स’ हैं, जिन्हें भीड़ नियंत्रित करने के लिए स्पेशल ब्रांच और क्राइम ब्रांच से बुलाया गया था। इस पर व्यापक आलोचना होने के बाद कथित तौर पर निर्देश दिए गए कि ऐसे कर्मियों को सादे कपड़ों के बजाय वर्दी पहननी होगी। इसीलिए जेन–जी पीढ़ी ने इनका मजाक उड़ाते हुए कहा कि शायद इन्होंने अभी–अभी अमेजन से खाकी वर्दियां मंगवाई हैं और उन्हें पहनकर आ गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का उपहास करते हुए ‘वर्दी छोड़ो, आरएसएस की निक्कर पहनो’ जैसे नारे भी लगाए। कुल मिलाकर, चाहे वे किसी भी वेशभूषा में हों, विरोध प्रदर्शनों को कुचलने वाले निजी समूहों को सरकार द्वारा व्यापक अधिाकार दिए जाने के आरोप लगातार बढ़ रहे हैं। यौन हमलों के आरोप केवल लड़कियों के संबंध में ही नहीं, बल्कि कुछ लड़कों के संबंध में भी सामने आए हैं। महिलाएं लंबे समय से कहती आ रही हैं कि यौन हिंसा का इस्तेमाल उन्हें नियंत्रित करने, डराने और अधीन करने के हथियार

के रूप में किया जाता है। कथित घटनाओं में महिलाओं को गलत तरीके से छूना, कपड़े खींचना, तस्वीरें और वीडियो बनाकर उनकी निजी जानकारी सार्वजनिक करना यानी डॉक्सिंग करना तथा खुलेआम बलात्कार की धमकियां देना शामिल था। जुलाई में नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के बाद महिला प्रदर्शनकारियों को ऑनलाइन बलात्कार और हत्या की धमकियां दिए जाने की घटनाएं भी सामने आई थीं। उनकी तस्वीरों को अश्लील तरीके से मॉर्फ करके प्रसारित किया गया और कुछ लड़कियों के घरों के पते तक सार्वजनिक कर दिए गए। यौन हिंसा का इस्तेमाल महिलाओं को यह संदेश देने के लिए भी किया जाता है कि वे घरों में रहें और सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने न आएं। बिना नेमप्लेट वाली महिला कांस्टेबलों पर भी यौन हिंसा करने के आरोप लगे हैं। ऐसे में यह संदेह भी व्यक्त किया जा रहा है कि क्या ये वास्तव में पुलिसकर्मी हैं या आरएसएस से जुड़े ‘दुर्गा वाहिनी’ जैसे महिला संगठनों की सदस्य हैं।

रक्षामंत्री का राहुल गांधी पर हमला बोले- नौजवानों की ऊर्जा को अराजकता बढ़ाने में लगा रहे हैं

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दिल्ली में पिछले दो दिनों में हुए घटनाक्रम गंभीर सवाल खड़े करते हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल नौजवानों की ऊर्जा को अराजकता बढ़ाने में लगा रहे हैं। वो बांग्लादेश की तरह हिंसा करके रिजिम चेंज करने की बात कर रहे हैं। उनका निशाना एसआईआर और ज्ञानेश कुमार नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को ध्वस्त करना इनका एजेंडा है। वो बांग्लादेश की तरह हिंसा फैलाकर रिजिम चेंज करने की बात कर रहे हैं। राहुल गांधी को समझना चाहिए कि लोकतंत्र अराजकता फैलाने या भारत के विकास में बाधा डालने का लाइसेंस नहीं है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ में प्रेस कॉफ्रेंस कर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपों का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी भी चुनावी प्रक्रिया पर सवाल नहीं उठाए जबकि कांग्रेस ने जमकर अनियमितताएं की हैं। कांग्रेस के लोग चुनाव आयोग जो कि एक संवैधानिक संस्था है उसे बदनाम करने का काम कर रहे

घरेलू विवाद के चलते पति ने गला कसकर की पत्नी की हत्या, बच्चों को भी जान से मारने की दी धमकी



लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोहनलालगंज थानाक्षेत्र के ग्राम धनुवासांड में घरेलू विवाद के चलते शराब के नशे में पति ने पत्नी की रस्सी से गला कसकर हत्या कर दी। बच्चे मेला देखकर लौटे तो देखा कि मां मृत पड़ी थी। बच्चों के रोने पर पिता ने उन्हें शांत न रहने पर जान से मारने की धमकी दी। बच्चों ने चुपके से नानी को सूचना दी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ लिया। इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह ने बताया कि धनुवासांड इलाके में मजदूर राधेकृष्ण अपनी पत्नी रेखा और अपने पांच बच्चों के साथ रह रहा था।

देर रात को वह नशे की हालत में घर पहुंचा। उसका पत्नी से रोज की तरह विवाद होने

मंत्री दयाशंकर सिंह पर कोर्ट सख्त 23 साल पुराने मामले में गैर-जमानती वारंट जारी

बलिया, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन राज्यमंत्री और बलिया सदर विधायक दयाशंकर सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बलिया की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) अदालत ने करीब 23 साल पुराने एक मामले में अदालत में पेश नहीं होने पर उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला दिसंबर 2003 में बलिया कोतवाली परिसर में तत्कालीन कोतवाल के साथ कथित गाली-गलौज और मारपीट से जुड़ा है। अदालत की इस कार्रवाई के बाद जिले के राजनीतिक और कानूनी गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, घटना 4 दिसंबर 2003 की सुबह करीब 9:25 बजे की है।

उस समय तत्कालीन कोतवाल सर्वजीत शाही पुलिसकर्मियों के साथ आरोपियों की तलाश में जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान वायरलेस सेट पर सूचना मिली कि रविशंकर सिंह उर्फ पप्पू सिंह, दयाशंकर सिंह और उनके करीब 20 समर्थक कोतवाली परिसर

ड्रम में छिपाकर रखे 23 किलो प्रतिबंधित मांझे को किया बरामद, महिला हिरासत में

वाराणसी, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। जानलेवा प्रतिबंधित मांझे के खिलाफ अभियान चलाते हुए शिवपुर थाना के कांशीराम पुलिस चौकी टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर बुधवार की देर शाम थाना क्षेत्र के पुराने कांशीराम आवास स्थित एक कमरे में छापेमारी करते हुए ड्रम में छिपाकर रखे करीब 23 किलो चाइनीज मांझा को बरामद करते हुए एक महिला को हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी शिवपुर अजीत कुमार वर्मा ने बताया कि कांशीराम पुलिस चौकी ईंचार्ज अंबरीश दुबे को सूचना मिली की कांशीराम आवास के एक कमरे में एक महिला द्वारा अवैध रूप से प्रतिबंध चाइनीज मांझा की बिक्री की जा रही है। पकड़ी गई महिला 40 वर्षीय रेखा देवी बताई जा रही है। पुलिस वैधानिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

आरोपित महिला ने बताया कि गोलगढ़ा क्षेत्र से एक मुस्लिम व्यक्ति मोटरसाईकिल पर प्रतिबंधित मांझा लेकर आया तो उन्होंने थोड़े पैसे की लालच में 350 प्रति पेटोता कीमत के हिसाब से ले लिया जिसे वह 400 के ददम से बेचने की तैयारी में जुटी थी। थाना प्रभारी शिवपुर अजीत कुमार वर्मा ने बताया कि जल्द ही स्कूलों तथा थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित मांझो के खिलाफ जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा गिरफ्तार करने वाली टीम में चौकी ईंचार्ज कांशीराम अमरीश दुबे, कांस्टेबल नितेश कुमार तिवारी, किशन सोनकर, दीक्षा दुबे शामिल रहे।



हैं। राहुल गांधी का हाइड्रोजन बम दीवाली का पटाखा साबित हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लगातार पराजय का कारण वोट चोरी नहीं है बल्कि काम चोरी है।

1984 के बाद कांग्रेस को कभी भी केंद्र में पूर्ण बहुमत नहीं मिला है जबकि भाजपा उस समय दो लोकसभा सीटों की पार्टी थी जिसने 2014 और 2019 में केंद्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। उन्होंने कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर भी ध्यान देना चाहिए। राहुल गांधी को जनमत का सम्मान



करते हुए काम करना चाहिए। भारत के भविष्य की जिम्मेदारी सबकी है। हमें टकराव नहीं संवाद का मार्ग चुनना चाहिए। कांग्रेस के शासन काल में तीन बड़े अक्षम्य अपराध हुए। इंदिरा जी की ओर से इमरजेंसी लगाई गई। 1984 में सिख भाईयों का नरसंहार हुआ और 1990 में रामभक्तों का खून बहाने वालों की सरकार को बचाया गया।

राहुल गांधी संविधान को अपनी जेब में रखते हैं

रक्षामंत्री ने कहा कि इंदिरा जी ने आपातकाल

'उन्होंने जबरदस्ती घर में घुसने की कोशिश की' पहली बार तेज प्रताप पर बोलीं अनुष्का यादव- मेरे पास इतना टाइम नहीं

पटना, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवरात्र चल रहा है और इस बीच अनुष्का यादव पहली बार मीडिया के सामने आईं। तेज प्रताप यादव से जुड़े सवालों और सोशल मीडिया पोस्ट पर भी रिएक्ट किया। मीडिया से बातचीत के दौरान तेज प्रताप से जुड़े सवाल पर अनुष्का यादव ने कहा, सबसे पहले तो, मैंने उनके पोस्ट या ट्वीट पर ध्यान नहीं दिया क्योंकि मेरे पास इन सब बातों पर ध्यान देने का समय नहीं है। मेरी एक बेटी है और मेरा सारा समय उसी के साथ बीतता है। अनुष्का यादव ने यह भी कहा, वे जितने भी कंट्रोवर्सी कर रहे हैं, उसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद कहती हूं। उनके लंबे स्वास्थ्य के लिए कामना करती हूं। इन सारे मामलों में हमें कुछ नहीं कहना। तेज प्रताप की ओर से लगाए गए आरोपों को लेकर अनुष्का ने कहा, मेरे भइया घर पर नहीं थे। लेकिन वो हमारे घर आए थे। वो जबरदस्ती हमारे घर में घुसने की कोशिश किए। जो भी हुआ वह कंट्रोवर्सी

लगाकर देश के लोकतंत्र को सलाखों के पीछे डालने का काम किया। राहुल गांधी संविधान को अपनी जेब में रखते हैं।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को कठपुतली बना रखा था। 1993 में चुनाव आयोग में रतौरात दो चुनाव आयुक्त नियुक्त किए गए। कांग्रेस के नेहरू गांधी परिवार के करीबी नवीन चावला को देश का मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया गया। रक्षामंत्री ने कहा कि 1993 से वोटर आईडी कार्ड होता ही नहीं था। जबसे वोटर कार्ड आया तब से कांग्रेस ने अपने दम पर सरकार नहीं बनाई। यूपी में 1985 के बाद विजय हासिल नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मेशा देश की जनता और संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान किया।

एक सीट पर एक उम्मीदवार की मृत्यु पर चुनाव स्थगित करने का कोई नियम नहीं है। क्या ये प्रावधान नहीं होता कि किसी उम्मीदवार की मृत्यु के बाद सिर्फ उसी सीट का चुनाव स्थगित करना चाहिए लेकिन राजीव गांधी की मृत्यु के बाद पूरे देश का चुनाव स्थगित किया गया जबकि अमरीी का चुनाव हो चुका था।

'उन्होंने जबरदस्ती घर में घुसने की कोशिश की' पहली बार तेज प्रताप पर बोलीं अनुष्का यादव- मेरे पास इतना टाइम नहीं



है। यह हमारा पारिवारिक मैटर है। पिछले दिनों तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया था। इसमें उन्होंने दावा किया था कि पटना के कदमकुआं स्थित रूप चंद भगत उत्सव हॉल में उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। ऐसे में यही अनुष्का यादव अपने भाई आकाश यादव और बेटी उज्जैनी के साथ पहुंचीं थीं। यहीं उन्होंने मीडिया के सामने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी।

पुष्पक एक्सप्रेस में हमला करने वाले आरोपी की मौत, जेल में खुद को किया था घायल

उन्नाव, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ से उन्नाव होकर कानपुर जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में नेपाली युवक ने एक महिला समेत 4 यात्रियों पर ब्लेड से हमला कर दिया। नेपाली युवक पर नशे करके यात्रा करने का आरोप है। ट्रेन में नशा करने की यात्रियों की शिकायत पर उन्नाव रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। देर रात हवालात में उसने ब्लेड से अपने गले पर वार कर खुद को गंभीर रूप से घायल कर लिया।

कानपुर के एलएलआर अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में आरपीएफ इंस्पेक्टर सहित 4 को सस्पेंड कर कार्रवाई की गई है। पुष्पक एक्सप्रेस में सफर कर रहा आरोपी युवक नशे की हालत में यात्रियों के साथ गाली-गलौज और अश्लील हरकतें कर रहा था। विरोध करने पर उसने ब्लेड से यात्रियों पर हमला कर दिया, जिससे एक महिला समेत 4 यात्री घायल हो गए। जिसके यात्रियों ने रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर फोन कर शिकायत दर्ज कराई।

रियाद से वापसी का हवाई किराया एक लाख रुपये पार, पांच गुने से ज्यादा हुआ महंगा

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। रियाद से सीधी उड़ानें 18 अक्टूबर से बहाल होंगी। इस बीच लखनऊ का हवाई किराया पांच गुने से अधिक महंगा हो गया है। यात्रियों को 1,04,850 रुपये में टिकट खरीदना पड़ रहा है। यह किराया सीधी उड़ान का है। कनेक्टिंग उड़ानें रियायती दरों पर मिल रही हैं। ईरान व अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के बीच हूती विद्रोहियों के सऊदी अरब पर हमले जारी हैं। इससे उड़ानों का रियाद आना-जाना बंद है। इस कारण बड़ी संख्या में लखनऊ के यात्री रियाद में फंसे हैं। अब 18 तारीख से रियाद से लखनऊ के बीच सीधी उड़ानें बहाल होंगी। हालांकि, इनमें सफर के लिए जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। एयरलाइन फ्लाइनास की फ्लाइट एक्सवाई-1333 रियाद से रात 11:25 बजे सीधी उड़ान भरकर सुबह सात बजे लखनऊ पहुंचती है। इसका किराया 45,266 रुपये पहुंच गया है।

इसी एयरलाइन की दूसरी फ्लाइट एक्सवाई-319 रियाद से सुबह 8:45 बजे उड़ान भरकर पांच घंटे में लखनऊ पहुंचती है। इसका किराया 1,04,850 रुपये तक पहुंच गया है। आम दिनों में इसका किराया 20 से 22 हजार रुपये के बीच होता है। कनेक्टिंग उड़ानों का टिकट

17,182 से 47,907 रुपये के बीच मिल रहा है। अमूमन कनेक्टिंग उड़ानें महंगी और सीधी सस्ती होती हैं। हालांकि, अभी रियाद के मामले में स्थिति इसके उलट है। फ्लाइनास की लखनऊ से रियाद की सीधी उड़ान एक्सवाई-334 सुबह 8:30 बजे उड़ान भरकर सुबह 11:05 बजे रियाद पहुंचती है।

18 अक्तूबर को इसका टिकट 37,847 रुपये में मिल रहा है। दूसरी फ्लाइट एक्सवाई-320 शाम 5:10 बजे अमौसी से उड़ान भरकर शाम 7:45 बजे रियाद पहुंचती है। इसका किराया 94,440 रुपये पहुंच गया है। उधर, एयर इंडिया एक्सप्रेस की बंगलूरू के रास्ते रियाद जाने वाली कनेक्टिंग उड़ान का किराया 19935 रुपये चल रहा है। यह विमान सुबह 9:25 बजे लखनऊ से उड़ान भरकर अगली सुबह 10:30 बजे रियाद पहुंचता है। ऐसे ही अन्य कनेक्टिंग उड़ानों का टिकट 20,480 रुपये से लेकर 21,013 रुपये तक में मिल रहा है। एयरलाइन से जुड़े सूरजों की मानें तो लखनऊ से ज्यादातर लोग काम के सिलसिले में ही रियाद जाते हैं। पांच दिनों से विमानों का संचालन बाधित है। ऐसे में 14 हजार से अधिक यात्रियों के रियाद में फंसे होने की संभावना है। विमान सेवा बहाल होने पर धीरे-धीरे इनकी वापसी होगी।

बीच बाजार सरेराह नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ का वीडियो वायरल, थाना प्रभारी पर एक्शन

अलीगढ़, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ में थाना जवां क्षेत्र के कस्बे के बाजार में 17 वर्षीय किशोरी के साथ एक व्यक्ति ने सरेराह छेड़छाड़ कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, मगर न्यायालय से उसे जमानत मिल गई। वहीं, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना के पीछे महिला सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस सुरक्षा व्यवस्था न करने व लापरवाही की बात सामने आई। इस पर एसएसपी नीरज जादौन ने जवां थाना प्रभारी को निर्लंबित कर दिया। यह घटना 10 अक्टूबर की दोपहर करीब तीन बजे हुई थी। गधाना थाना क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति ने मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें कहा था कि उनकी 17 वर्षीय भतीजी पढ़ने के लिए जवां क्षेत्र के कस्बे में गई थी। आरोप है कि वहां गांव सौगात निवासी गणेश शर्मा उर्फ गुड्ड ने किशोरी का पीछा कर पीछे से उसके बाल पकड़ लिए और छेड़छाड़ करने लगा। किशोरी के चिल्लाते पर पड़ोस के लोग आए। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपी गणेश को गिरफ्तार कर लिया।

लव मैरिज के बाद दुल्हन की संदिग्ध मौत मां बाप ने घर के दरवाजे पर ही कर दिया दाह संस्कार, केस दर्ज

मुजफ्फरपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के मुशहरी थाना क्षेत्र के रजवाड़ा डीह गांव में 19 वर्षीय नवविवाहिता गुंजा कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कमरे से उसका शव बेड पर बरामद किया गया। मृतका के गले पर गहरे निशान मिलने से मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। घटना के बाद ससुराल पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार हो गए। न्याय की मांग को लेकर आक्रोशित मायके वालों ने ससुराल के मुख्य दरवाजे पर ही शव का दाह संस्कार कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतका गुंजा कुमारी कांटी निवासी रंजीत पासवान की पुत्री थी। उसकी शादी इसी साल 23 जनवरी को पलटन पासवान के पुत्र कुंदन कुमार के साथ हुई थी। बताया जाता है कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग के बाद विवाह हुआ था। मृतका की मां मंजू देवी और मामा छोटू कुमार ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि वे धनतेरस के अवसर पर दहेज का सामान देने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन इससे पहले ही उनकी बेटी की

मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, उन्हें घटना की जानकारी स्थानीय वार्ड सदस्य के माध्यम से रात करीब 12 बजे मिली। सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग रजवाड़ा डीह पहुंचे। उनका आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग शव को गुप्तगुप्त तरीके से जलाने की तैयारी में थे। मायके वालों के पहुंचते ही ससुराल पक्ष के लोग मौके से फरार हो गए।सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन की।पुलिस ने हंगामा कर रहे परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया।

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा। घटना की सूचना पर मुशहरी थाना के अवर निरीक्षक प्रमोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मुशहरी थानाध्यक्ष मेहता ने बताया कि मृतका के पिता रंजीत पासवान के लिखित आवेदन पर पति कुंदन कुमार,उसके भाई चंदन पासवान,बहन प्रियंका और भाभी सुलेखा के खिलाफ दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

बेटे संग मिलकर हत्या की: लिव इन में रह रही महिला ने की थी दिव्यांग शिक्षक की हत्या, सात साल से रह रही थी साथ

ठाकुरद्वारा (मुरादाबाद), 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा नगर के फरीद नगर स्थित मकान में दिव्यांग शिक्षक प्रमोद कुमार (41) की हत्या में पुलिस को अहम सुराग हाथ लग गए हैं। दिव्यांग शिक्षक की हत्या लिव इन में रह रही महिला ने अपने बेटे और एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर की थी। पुलिस का दावा है कि प्रमोद अपना मकान बेचकर शादी करना चाह रहे थे लेकिन महिला की नजर उनकी संपत्ति पर थी। 25 लाख रुपये ब्याज पर लेने वाले एक व्यक्ति को भी महिला ने इस हत्याकांड में शामिल कर लिया था। मूंडापांडे थानाक्षेत्र के सहरिया गणेशपुर गांव निवासी प्रेमपाल का बेटा प्रमोद कुमार (41) करीब 15 साल से ठाकुरद्वारा में रह रहा था। मंगलवार की सुबह दस बजे बुधिया दूध देने पहुंचा तो गेट के बाहर तक खून बह रहा था। पुलिस ने इस मामले में प्रमोद के पिता प्रेमपाल सिंह की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि ठाकुरद्वारा निवासी महिला सात साल से प्रमोद के साथ लिव-इन में थी। महिला पहले से शादीशुदा और उसके बच्चे भी हैं। महिला दिन में प्रमोद के साथ रहती थी और रात में अपने पहले पति और बच्चों के पास चली जाती थी। प्रमोद ब्याज पर रुपये बांटते थे।



बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान का अपनी फैमिली और पिता संग खास रिश्ता है। एक्टर ने 60 साल की उम्र में भी शादी नहीं की है। एक्टर खाली वक्त में ज्यादा समय अपनी फैमिली संग बिताना पसंद

इमरान खान: को भारत छोड़ने का नोटिस सीईसी के खिलाफ प्रदर्शन में लिया था भाग



बॉलीवुड एक्टर इमरान खान को मुंबई पुलिस ने नोटिस भेजा है। अभिनेता ने बीते दिनों मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। मुंबई पुलिस ने इमरान खान को हिरासत में भी लिया था। अब उन्हें पुलिस ने भारत छोड़ने का नोटिस भेजा है। मुंबई पुलिस ने इमरान खान को 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का नोटिस भेजा है। बता दें कि इमरान खान

पर इमिग्रेशन एक्ट की संबंधित धारा के तहत भारतीय नागरिक ना होते हुए भी भारत में इस तरह के प्रदर्शन में शामिल होने के आरोप में करवाई की गई है। इमरान ने मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में हुए एक विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया था, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई थी।

जानकारी के अनुसार, इमरान खान के खिलाफ इमिग्रेशन एक्ट की धारा 29 और 7 के तहत कार्रवाई शुरू की गई है। उन पर आरोप है कि भारतीय नागरिक न होने के बावजूद उन्होंने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। मालूम हो कि शनिवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान मुंबई पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। हिरासत में लिए जाने के बाद इमरान खान ने अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें वे एक पुलिस वैन के अंदर बैठे नजर आए। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, 'लगता है मैं ड्राइव पर जा रहा हूं'। मीडिया से बात करते हुए इमरान खान ने कहा कि वे मुंबई के एक नागरिक के तौर पर वहां आए थे और उनकी कोई खास मांग नहीं थी। अभिनेता ने कुछ सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'मेरी कोई मांग नहीं है। मैं यहां एक नागरिक के तौर पर हूं। एक ऐसे व्यक्ति के तौर पर, जो इसी शहर में रहता है। मैं यह जानने आया हूं कि लोगों की आवाजही की आजादी पर पाबंदी क्यों लगाई जा रही है? लोगों की आवाज क्यों दबाई जा रही है? बस इसीलिए मैं यहां हूं।

400 गरीब परिवारों को भोजन उपलब्ध कराया, रश्मिका



बाप बाप होता है

सलमान खान ने पिता सलीम खान संग शेयर की तस्वीरें

करते हैं। पिता सलीम खान संग वे बहुत क्लोज बॉन्ड शेयर करते हैं। हाल ही में सलमान ने अपने पिता संग कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें दोनों को साथ देख किसी के भी चेहरे पर मुस्क्राहट आ जाएगी। सलीम खान 90 साल के हो चुके हैं वहीं सलमान खान भी 60 साल के हो चुके हैं। पिता संग सलमान ने हाल ही में क्वालिटी टाइम स्पेंड किया। हाल ही में सलमान ने अपने पिता संग कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें दोनों को साथ देख किसी के भी चेहरे पर मुस्क्राहट आ जाएगी। सलीम खान 90 साल के हो चुके हैं वहीं सलमान खान भी 60 साल के हो चुके हैं। पिता संग सलमान ने हाल ही में क्वालिटी टाइम स्पेंड किया। फोटोज में दोनों हैट पहने नजर आ रहे हैं और कूल लुक दे रहे हैं। तस्वीरों के साथ सलमान ने कैप्शन में लिखा- हाउडी पार्टनर ही हॉव एट 91, रात एक बजे सोच रहा हूं कि बाब तो बाप होता है। वो असली मॉन्स्टर हैं। हम सबके बाप में है दम, वंदे मातरम। एक और दिन नहीं होता, एक और दिन कम होता है। आप लोग समझे? भगवान कितने दयालु हैं।

फोटोज में दोनों एक साथ कूल लुक दे रहे हैं। तस्वीरों के साथ सलमान ने कैप्शन में लिखा- हाउडी पार्टनर ही हॉव एट 91, रात एक बजे सोच रहा हूं कि बाब तो बाप होता है। वो असली मॉन्स्टर हैं। हम सबके बाप में है दम, वंदे मातरम। एक और दिन नहीं होता, एक और दिन कम होता है। आप लोग समझे? भगवान कितने दयालु हैं।

सलमान खान की इन फोटोज पर फैस के खूब रिएक्शन्स भी आ रहे हैं। एक्टर अली खान ने लिखा- माशाअल्लाह। आइफा ने लिखा- डैडी कूल। वहीं नील नितीन मुकेश ने तस्वीरों पर हार्ट इमोजी शेयर किया। इसके अलावा एक शख्स ने लिखा- पिता के साथ भाईजान का औरा अलग ही हिट करता है। सलमान खान की बात करें तो एक्टर खुद 60 साल के हो चुके हैं और साल 2026 दिसंबर में वे 61 साल के पूरे हो जाएंगे। एक्टर अभी भी फिल्मों में लीड रोल कर रहे हैं। 90 साल की उम्र में उनके पिता सलीम खान की फिटनेस देखकर लगता है कि सलमान ने फिट होने की इंस्पिरेशन अपने पिता से ही ली है। सलमान अब मातृभूमि फिल्म में नजर आएंगे।

‘ बॉलीवुड को हिंदूफोबिया है ’

एकता कपूर बोलीं- तिलक लगाती हूं, कलावा बांधती हूं तो कहते हैं सनकी और तांत्रिक



कॉफी विद करण 9

शाहरुख की इस फिल्म पर सलमान ने दिया था करण को लेक्चर, भाईजान ने बताया कैसी होगी उनकी बायोपिक

फिल्ममेकर करण जौहर का चैट शो 'कॉफी विद करण' एक बार फिर दर्शकों के बीच लौट आया है। इस दौरान रैपिड फायर राउंड में करिशमा कपूर ने सलमा खान और शो के होस्ट करण जौहर दोनों से रैपिड फायर राउंड के दौरान सवाल किये। इस दौरान कई सवालों के जवाब सलमान ने काफी घुमा फिरा के दिए। जानें क्या थे सवाल - जवाब? 'कॉफी विद करण' के शो के दौरान करिशमा कपूर ने रैपिड फायर राउंड में सलमान से पूछा कि उन्हें रणवीर सिंह और एनिमल में रणवीर कपूर में से कौन बेहतर लगा। इस पर सलमान ने जवाब दिया कि सब अपने अपने किरदारों में बेहतर रहे हैं। करिशमा कपूर ने सलमान खान से पूछा कि उनकी बायोपिक का निर्देशन कौन करेगा। उन्होंने चतुराई से आखिरी सवाल को टाल दिया और कहा कि उनकी जीवन कहानी उनके साथ कब्र में चली जाएगी। 'कॉफी विद करण 9' के पहले एपिसोड में हुए रैपिड फायर में राउंड में करिशमा कपूर ने करण जौहर से कई सवाल किये। इन सवालों के जवाब करण ने काफी मजाकिया अंदाज में दिये। उन्होंने शाहरुख खान को शो का सबसे अच्छा मेहमान बताया और कहा कि वो चाहते कि करण उन पर और सलमान पर एक फिल्म बनाएं। सबसे दिलचस्प खुलासा तब हुआ जब करण ने सलमान द्वारा उन्हें 'कभी अलविदा ना कहना' फिल्म को लेकर दी गई फटकार को याद किया और कहा कि ऐसी फिल्म दोबारा न बनाएं।। करण ने कटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा वाले एपिसोड को अपना पसंदीदा बताया।

सलमान खान ने किया निजी जीवन पर खुलासा करण जौहर के साथ बातचीत के दौरान सलमान खान ने शादी और पिता बनने को लेकर भी अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि उनके पास परिवार है और करण के पास भी परिवार है। सलमान ने आगे कहा कि वह भी जिंदगी में कभी न कभी बच्चे जरूर चाहते हैं और एक समय के बाद पिता बनना चाहते हैं। सलमान ने कहा कि 16 साल की उम्र से उनके साथ ऐसा होता आया है कि वह किसी से प्यार करते हैं और फिर उस लड़की की शादी हो जाती है। रिश्तों को लेकर अपनी सोच बताते हुए सलमान ने कहा कि बेडरूम की बातें बेडरूम में और लिविंग रूम की बातें लिविंग रूम में ही रहनी चाहिए।

टीवी की 'क्वीन' कही जाने जानी मशहूर प्रोड्यूसर और फिल्ममेकर एकता कपूर ने बॉलीवुड को 'हिंदूफोबिक' कहा है। दिग्गज एक्टर जितेंद्र की 51 साल की बेटी एकता ने हिंदी इंडस्ट्री में हिंदू लोककथाओं और पौराणिक कहानियों को नजरअंदाज किए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। रणवीर अल्लाहवादिया के पॉडकास्ट में एकता ने दो टूक शब्दों में कहा है कि बॉलीवुड में फैंटेसी कहानियों पर उत्साह से दिखाया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति से जुड़ी कहानियों को लेकर उतनी दिलचस्पी नहीं दिखती।

यही नहीं, एकता ने दावा किया है कि उनके 'तिलक लगाने' और 'कलावा बांधने' पर भी लोग सवाल उठाते हैं। उन्हें इस कारण 'सनकी' और 'तांत्रिक' तक कहा गया है। टीवी इंडस्ट्री को 'कहानी घर घर की' और 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' जैसे दर्जनों सुपरहिट शोज देने वाली एकता कपूर इन दिनों 'द वन: फोर्स ऑफ द फोरेस्ट' को लेकर चर्चा में हैं। वह इस फिल्म की प्रोड्यूसर हैं, जो बिहार के वनदेवी मंदिर की लोककथा पर बनी है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर इस फिल्म को दीपक कुमार मिश्रा ने प्रोड्यूस किया है। एकता का कहना है कि भारतीय लोककथाओं को फिल्मों में जगह मिलनी चाहिए और ऐसी कहानियों को दर्शकों से भी स्वीकार्यता मिलना जरूरी है। रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में एकता कपूर ने कहा कि किसी फिल्म की सफलता केवल उसकी कमाई से तय नहीं होती, बल्कि उसकी कहानी और उससे जुड़ी सांस्कृतिक पहचान भी मायने रखती है। उन्होंने अपनी फिल्म 'द वन' का उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय लोककथाओं पर आधारित कहानियों को भी उसी तरह स्वीकार किया जाना चाहिए, जैसे फैंटेसी की दूसरी कहानियों को किया जाता है। एकता ने कहा, 'फिल्म द वन के लिए कमाई के आंकड़े बहुत अच्छे हैं।

लेकिन सबसे अहम बात यह है कि यह लोककथाओं पर आधारित है। मैं कैमरे पर खुलकर कह रही हूं कि यहां हिंदूफोबिया है। हमें कई चीजों से डर लगता है। हम एनिमेटेड कहानियों को तो स्वीकार कर लेते हैं, लेकिन लोककथाओं और पौराणिक कथाओं पर बात करने में हमें दक्कत होती है। इसलिए, मैं इन चीजों को सामने लाने और लोगों द्वारा इन्हें अपनाए जाने के पक्ष में हूं। अब पहले के मुकाबले स्वीकार्यता काफी बढ़ गई है।'

कृति सेनन ने हॉरर फिल्म साइन की



कपिल के घर पधारेंगे बेगम-नवाब

द ग्रेट इंडियन शो में चार-चांद लगाने आ रहे करीना कपूर और सैफ अली खान



करीना कपूर और सैफ अली खान की जोड़ी को बॉलीवुड में टिपिकल लव बर्इस के तौर पर देखा जाता है। अक्सर कई इवेंट्स में कपल को साथ में स्पॉट किया गया है। अब ये शानदार जोड़ी आपको 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के सीजन 5 में देखने को मिलेगी। बॉलीवुड और क्रिकेट जगत की मशहूर हस्तियों को अपने शो में बुलाने के बाद, अब यह शो रियल-लाइफ कपल करीना कपूर खान और सैफ अली खान का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। वे इस कॉमेडी शो में अपने मजेदार अंदाज और हंसी-मजाक से चार चांद लगाएंगे। यह एपिसोड आने वाले 17 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। दोनों अलग-अलग कई बार नजर आए हैं लेकिन ऐसा पहली बार होगा जब वे इस कॉमेडी शो में एक साथ नजर आएंगे। इनकी कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं जिसमें करीना रेड कलर के बंधनी सलवार- सूट में नजर आईं। इसके गले पर हैवी गोल्डन एंज्रियडरी का काम था। इसे उन्होंने हैवी झुमकों और चुड़ियों के साथ पेयर किया था। वहीं सैफ हमेशा की तरह रॉयल लुक में बेहद शानदार लग रहे थे। उन्होंने ब्लैक कलर की शर्ट पैंट के साथ ही ब्लैक वेस्ट कोट पहना हुआ था। वहीं सैफ अली खान ने हाल ही में इंस्टाग्राम डेव्यू किया है इसलिए ये मोमेंट उनके लिए और भी खास है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पहली तस्वीर शेयर करते हुए पटौदी लाइब्रेरी की पहली झलक दिखाई थी। एक बातचीत के दौरान सैफ ने कहा था कि उन्हें इंस्टाग्राम पर स्क्रील करना बिल्कुल भी पसंद नहीं है। हालांकि ओमकारा एक्टर ने एक राज खोलते हुए बताया था कि उनका सोशल मीडिया पर एक सौक्रेट अकाउंट है। एक्टर अपने ऑफिशियल अकाउंट से सिर्फ एक व्यक्ति को फॉलो करते हैं और वो उनकी पत्नी करीना कपूर हैं।

अक्षय कुमार की अचानक तबीयत बिगड़ी :शूटिंग के दौरान पीठ में खिंचाव सीक्रेट गेस्ट हाउस में चला इलाज



मसूरी में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की तबीयत बिगड़ गई थी। उनकी पीठ में खिंचाव आने और ठंड के कारण दर्द होने की बात सामने आई थी। इसके बाद उन्हें देहरादून के राजपुर स्थित एक गेस्ट हाउस में ठहराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज किया। फिलहाल अक्षय कुमार मसूरी के

होटल सर्वॉय में ठहरे हुए हैं। अक्षय कुमार की टीम के अनुसार, मसूरी के लाइब्रेरी चौक पर शूटिंग के दौरान अचानक उनकी पीठ में दर्द उठा, जिसके बाद शूटिंग रोकनी पड़ी। वह मंगलवार को दिल्ली से सड़क मार्ग के जरिए कार से उत्तराखंड पहुंचे थे। उन्हें यहां दो दिन तक शूटिंग करनी थी। बुधवार सुबह तबीयत बिगड़ने के कारण वह शूटिंग के लिए मसूरी नहीं पहुंच पाए। अब दर्द में कुछ राहत मिलने के बाद अक्षय कुमार दोबारा मसूरी पहुंच गए हैं। वह फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। हालांकि, अगर दर्द ज्यादा बढ़ता है तो वह दिल्ली लौट सकते हैं। अक्षय कुमार इन दिनों साईंस-फिक्शन सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'समुक' की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह हैं, जबकि निर्देशन कनिष्क वर्मा कर रहे हैं।

फिल्म का ब्रिटेन शेड्यूल हाल ही में पूरा हुआ है। इसे 2027 में रिलीज करने की योजना है। इससे पहले भी अक्षय कुमार मसूरी में शूटिंग कर चुके हैं। अक्षय कुमार मई 2023 में उत्तराखंड आए थे। उस दौरान उन्होंने फिल्म 'शंकरा' की शूटिंग के लिए रुड़की और आसपास के इलाकों का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के दर्शन कर पूजा-अर्चना की थी। उन्होंने देहरादून में सीएम पुष्कर सिंह धामी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात भी की थी। इससे पहले 18 फरवरी 2022 में वह फिल्म 'कठपुतली' की शूटिंग के लिए मसूरी और देहरादून आए थे। इस दौरान उन्होंने सीमाद्वार स्थित आईटीबीपी परिसर में विश्वस्तरीय बॉलीबॉल ग्राउंड का उद्घाटन किया और जवानों के साथ सद्भावना मैच खेला। उन्होंने देश की सुरक्षा में जवानों के योगदान की सराहना की थी।

बॉलीवुड

एक्ट्रेस कृति सेनन, जिनकी हालिया फिल्में बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही हैं, अब एक हॉरर फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। हालांकि फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह पूरी तरह से एक हॉरर फिल्म है। 'कॉकटेल 2' और 'तेरे इश्क में' के बाद, एक्ट्रेस अलग-अलग तरह की फिल्मों में काम करना चाहती थीं, और अब उन्होंने एक हॉरर फिल्म को चुना है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'कॉकटेल 2' और 'तेरे इश्क में' में अपनी एक्टिंग के लिए तारीफ पाने के बाद, कृति सेनन ने आखिरकार अपना अगला प्रोजेक्ट फाइनल कर लिया है। वह हमेशा से अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में काम करने की इच्छुक रही हैं। इस बार, वह मैडॉक द्वारा प्रोड्यूस की जा रही एक बड़े बजट की हॉरर फिल्म के साथ इस जॉनर में कदम रख रही हैं, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह मैडॉक फिल्मस के साथ उनका 9वां प्रोजेक्ट है। मैडॉक फिल्मस के साथ उनका जुड़ाव हमेशा यादगार रहा है, और इस प्रोडक्शन हाउस के साथ एक बार फिर सोलो लीड (मुख्य भूमिका) के रूप में वापसी करना, उनके क्रिएटिव सफर में एक नया और रोमांचक मोड़ है। सूत्र ने आगे बताया, 'मैडॉक फिल्मस लगातार सफल फिल्में दे रहा है। यह उनके साथ कृति का नौवां प्रोजेक्ट है और 'मिमी' (जिसके लिए उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था) के बाद, यह उनके साथ उनकी दूसरी सोलो लीड फिल्म है।

मैडॉक की हॉरर-कॉमेडी फिल्मों से अलग, यह पूरी तरह से एक हॉरर फिल्म होगी—एक ऐसा जॉनर जिसे यह प्रोडक्शन हाउस पहली बार एक्सप्लोर कर रहा है। मेकर्स इसे बहुत बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन यह एक बहुत ही रोमांचक प्रोजेक्ट है जिसका सभी को इंतजार रहेगा। इस बीच, कृति की पिछली फिल्म 'कॉकटेल 2'—जिसका निर्देशन होमी अदजानिया ने किया था और जिसमें शाहिद कपूर व रश्मिका मंदाना भी थे—ने 6 दिनों के भीतर दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। हालांकि, बाद में सिनेमाघरों में इसकी कमाई की रफ्तार थोड़ी धीमी हो गई। फिल्म में कृति की एक्टिंग सबसे खास रही, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का प्रदर्शन बहुत शानदार होने के बजाय ठीक-ठाक रहा।